केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, एवं होमियोपैथी (आयुष)
मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय, भारत सरकार

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES
An Autonomous Body under Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India

www.ccras.nic.in

पंचकर्म सहायक प्रशिक्षण कोर्स का पाठ्यक्रम : सूचना विवरणिका
PANCHKARMA ASSISTANT TRAINING COURSE : INFORMATION BROCHURE

(एक वर्षीय – पूर्ण कालिक – स्ववित्तपोषी)
(ONE YEAR - FULL TIME - SELF FINANCED)

प्रशिक्षण केंद्र

केन्द्रीय आयुर्वेदीय हृदयरोग अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
एवं
राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरूथी, केरल

TRAINING CENTERS

Central Ayurveda Research Institute for Cardiovascular Diseases, New Delhi
&
National Ayurveda Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy, Kerala

सीसीआरएएस का परिचय About CCRAS:

- केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस), आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, एवं होम्योपैथी मंत्रालय (आयुष मंत्रालय), भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय है। यह भारत में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति एवं सोवा-रिग्पा चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक विधि से शोध कार्य प्रतिपादित करने, उसमें समन्वय स्थापित करने, उसका विकास करने एवं उसे समुन्नत करने हेतु एक शीर्ष राष्ट्रीय निकाय है।
- भारत और विदेशों में विभिन्न चिकित्सकीय प्रक्रियाओं हेतु पंचकर्म चिकित्सकों की सहायता के लिए तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी है। भारत सरकार ने इस हेतु प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है।
- डब्ल्यूएचओ के लिए भारत सरकार द्वारा तैयार दिशानिर्देशों के अनुसार, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम टाइप 4 सेवा प्रदाताओं के लिए तैयार किया गया है।
- अभ्यर्थी को पंचकर्म सहायक के एक वर्ष के पूर्णकालिक प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का अध्ययन करना आवश्यक होगा । यह पाठ्यक्रम स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा।
- The Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) is an autonomous body of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homeopathy (Ministry of AYUSH), Government of India. It is an apex body in India for the formulation, coordination, development and promotion of research on scientific lines in Ayurveda and Sowa-Rigpa system of medicine.
- There is an acute shortage of technical staff for the assistance to the Panchakarma practitioners for doing various therapeutic procedures both in India and abroad. Govt. of India has instructed to start certificate course in this regard.
- This training programme is prepared for type 4 service providers, as per the guidelines prepared by GOI for WHO.
- Candidate requires studying the one year fulltime certificate training course of Panchakarma Assistant. This course will be conducted as self finance course.

उद्देश्य Objectives:

पंचकर्म उपक्रमों के क्रियान्वयन में आयुर्वेदिक चिकित्सकों को सहायता देने के लिए प्रशिक्षित पंचकर्म सहायक उपलब्ध करवाना।

To make available Panchakarma Assistant for giving assistance to Ayurvedic physicians in Panchakarma procedures.

योग्यता Eligibility:

न्यूनतम योग्यता: इंटरमीडिएट/ सीनियर स्कूल सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा XII) योग्यता प्राप्त अभ्यर्थी (12 वर्ष की स्कूली शिक्षा)

Basic Qualification: Candidates with Intermediate/Senior School Certificate Examination (Class XII) (12 years of Schooling)

आयु सीमा Age Limit:

प्रशिक्षण सत्र के प्रारम्भिक वर्ष की **1** जनवरी को **25** वर्ष से कम। भारत सरकार के नियमानुसार आयु सीमा में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को 5 वर्ष की छूट दी जाएगी एवं नॉन क्रीमी लेयर (एनसीएल) के ओबीसी उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट दी जाएगी।

Below 25 years as on 1st January of start of Training Year. 5 years age relaxation will be given to SC/ST candidates and 3 years age relaxation will be given to OBC candidates of Non Creamy Layer (NCL) as per the norms of Govt. of India.

निर्देश का माध्यम Medium of Instruction:

प्रशिक्षण / निर्देश का माध्यम हिंदी / अंग्रेजी होगा । (आवश्यकता अनुसार क्षेत्रीय भाषाओं में स्पष्टीकरण और व्याख्याएं दी जा सकती हैं)

The medium of Instruction will be Hindi / English. (Explanations and Interpretations may be given in regional languages as per requirement)

शिक्षा-सत्र Academic Session:

पूर्णकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शैक्षणिक सत्र जुलाई मास से अगले वर्ष के जून मास तक एक वर्ष का होगा।

Academic Session of full time Training programme will be one year from July to June of next year.

प्रवेश प्रक्रिया Admission procedure:

मई के महीने में **1** हिंदी और **1** अंग्रेजी राष्ट्रीय समाचार पत्रों और दो स्थानीय समाचार पत्रों (क्षेत्रीय भाषा में) में प्रकाशित विज्ञापन द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे तथा विज्ञापन सहित सूचना विवरणिका, पाठ्यक्रम और आवेदन पत्र परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। इस प्रशिक्षण के बारे में स्थानीय प्रचार-प्रसार आउटरीच कार्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से, संस्थान व अस्पताल के नोटिस बोर्ड पर जानकारी प्रदर्शित करके और निकटवर्ती कॉलेजों व संस्थानों में आईईसी सामग्री के वितरण व प्रदर्शन के द्वारा किया जायेगा ।

Applications will be invited in the month of May through a window Advertisement published in a National (1 Hindi & 1 English) and two local news papers (in regional language) which will also be uploaded on Council's website (www.ccras.nic.in) along with the Information Brochure, Syllabus and Application Form. Local publicity about this training course will be done through outreach activity progammes, display of information on notice board of Institution & Hospital and through distribution & display of IEC material in nearby colleges and institutions.

आवेदन पत्र Application Form:

आवेदन पत्र को समाचार पत्रों में विज्ञापन के प्रकाशन के बाद परिषद की वेबसाइट www.ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। विधिवत रूप से भरे गए आवेदन पत्र, संबंधित संस्थान को रजिस्टर्ड/ स्पीड पोस्ट द्वारा अपेक्षित स्वप्रमाणित दस्तावेजों और रु.500.00 के डिमांड ड्राफ्ट, जोकि **'Director, ACRI'** के प्रति **New Delhi** (Indian Overseas Bank, West Punjabi Bagh Branch (000687) में देय हो अथवा **'National Research Institute of Panchakarma'** के प्रति **Shoranur** (State Bank of India Branch (000760) in Kerala) में देय हो, सहित **10 जून** तक या उससे पहले पहुँचना चाहिये।

Application Form may be downloaded from the Council's website www.ccras.nic.in after publication of Advertisement in Newspapers. Duly filled in application form is to be submitted to the concerned institute by Registered/Speed Post along with self-attested requisite documents and **Demand Draft of Rs.500.00** drawn in favor of **'Director, ACRI',** payable at **New Delhi** (Indian Overseas Bank, West Punjabi Bagh Branch (000687), OR **'National Research Institute of Panchakarma'** payable at **Shoranur** (State Bank of India Branch (000760) in Kerala) **on or before 10th June.**

चयन प्रक्रिया Selection Procedure:

इस प्रशिक्षण में प्रवेश बारहवीं कक्षा में प्राप्तांक की वरीयता के आधार पर किया जाएगा | चयनित अभ्यर्थियों की सूची 20 जून तक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी एवं संस्थान के सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित की जाएगी | रिक्त स्थानों, यदि कोई होता है तो, की पूर्ति करने के लिए एक प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी | निदेशक / प्रभारी का निर्णय अभ्यर्थियों के चयन में अंतिम होगा | **यदि कोई छात्र इसके साथ-साथ किसी तरह के समान या अन्य पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हुआ पाया जाता है, तो उसका प्रवेश स्वतः रद्द समझा जाएगा |**

Admission in this course will be made on the basis of Merit of marks obtained in 12th Class. The list of selected candidates will be uploaded on Council's website by 20th June and will also be displayed at Notice Board of the Institute. A waiting list will also be made to fulfill the vacant seats, if any. The decision of the Director/ In-charge will be the final in selection of candidates. **If any student is found to be joined any similar or different full time course at elsewhere, his/her admission will be deemed cancelled.**

छात्रावास सुविधा Hostel facilities:

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को आवास और बोर्डिंग आदि की स्वयं व्यवस्था करनी होगी | इस पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए कोई छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है |

Accommodation and boarding of the participants in the training course should be arranged by themselves. No Hostel facility is available for the students of this course.

प्रवेश क्षमता Intake capacity:

सीटों की संख्या: एनएआरआईपी, चेरुतुरुथी में 30 सीटें एवं सीएआरआईसीडी, नई दिल्ली में 10 सीटें (दोनों केन्द्रों पर 50% प्रत्येक पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों के लिए) प्रति वर्ष होंगी तथा किसी भी लिंग की अनुपलब्धता होने पर, आरक्षित सीटों को अन्य लिंग के लिए आवंटित कर दिया जाएगा | सीटों की संख्या, संसाधनों की उपलब्धता एवं आवश्कतानुसार प्रति वर्ष भिन्न हो सकती हैं|

Number of Seats: 30 Seats at NARIP, Cheruthuruthy and 10 Seats at CARICD, New Delhi, (50% each for male and female candidates at both centers) in each year. In case of non-availability of any gender, reserved seats will be allocated to other gender. Number of seats may vary on the basis of availability of infrastructure and requirement in each year.

आरक्षण Reservation

भारत सरकार के नियमानुसार अनुसूचित जाति हेतु 15%, अनुसूचित जनजाति हेतु 7.5%, अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 27% एवं दिव्यांग हेतु 4% आरक्षण दिया जायेगा | आरक्षित सीटों पर योग्य अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता होने पर सामान्य वर्ग से सीटें भरी जायेंगी |

As per rules of the Government of India, reservation policy is 15% for SC, 7.5% for ST, 27% for OBC and 4% for PH. In case of non-availability of eligible candidates in reserve category, seats will be filled from General Category.

शुल्क Fees:

पाठ्यक्रम शुल्क : पाठ्यक्रम शुल्क रु.30,000 (तीस हजार रुपये) प्रति छात्र प्रति वर्ष है | शुल्क तीन किश्तों में रु.10,000 / - प्रति किश्त देय होगा (प्रवेश के समय जुलाई में पहली किश्त, नवंबर में दूसरी किश्त और मार्च में तीसरी किश्त) ।

Course Fee: The course fee is Rs.30,000 (Thirty thousand rupees) per student per year. The fee will be charged in three installments @Rs.10,000/- per installment (1st installment in July at the time of admission, 2nd installment in November and 3rd installment in March).

परीक्षा शुल्क : रु.1000 (एक हज़ार रुपये) के परीक्षा शुल्क का भुगतान पाठ्यक्रम शुल्क की तीसरी किश्त के साथ ही करना होगा। संबंधित संस्थान द्वारा तैयार किए गए और उपलब्ध कराए गए परीक्षा फॉर्म भी परीक्षा शुल्क के साथ प्रशिक्षु द्वारा भर कर जमा किए जाएंगे।

Examination fee: Examination fee of Rs.1000 (One thousand rupees) is to be paid along with 3rd installment of course fee. The Examination Form, devised and provided by the concerned institute, will also be filled up and submitted by the trainee along with examination fee.

एक बार शुल्क जमा होने के बाद कोई शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।
No refund will be allowed once any of the fees is deposited.

प्रशिक्षण संस्थान Training Institutes:

पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थानों के पंचकर्म अनुभाग में आयोजित किया जाएगा:

- केन्द्रीय आयुर्वेदीय हृदयरोग अनुसंधान संस्थान, रोड नं. 66, पंजाबी बाग (पश्चिम), नई दिल्ली-110026, दूरभाष 011-25229448, ई-मेल: acri-delhi@gov.in
- राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुथुरुथी, त्रिशूर जिला, वाया शोरानूर, केरल -679531, दूरभाष 04884-262543, ई-मेल: nrip-cheruthuruthy@gov.in

संबंधित संस्थान के निदेशक/प्रभारी (सीएआरआईसीडी, नई दिल्ली और एनआरआईपी, चेरुथुरुथी) पाठ्यक्रम के लिए पूर्ण प्रभारी होंगे| निदेशक/प्रभारी निदेशक एक सहायक निदेशक (आयु.) / अनुसंधान अधिकारी (आयु.) को पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में नामित करेंगे।

The course will be conducted in the Panchakarma section of the following Institutes:

- Central Ayurveda Research Institute for Cardiovascular Diseases (CARICD), Road No.66, Punjabi Bagh (West), New Delhi–110026, Ph. 011-25229448, E-mail: acri-delhi@gov.in
- National Ayurveda Research Institute for Panchakarma (NARIP), Cheruthuruthy, Thrissur Distt., Via Shoranur, Kerala-679531, Ph. 04884-262543, E-mail: nrip-cheruthuruthy@gov.in

Director/In-charge, of the concerned institute (CARICD, New Delhi and NARIP, Cheruthuruthy) will be the overall in-charge of the course. Director/In-charge will nominate one Assistant Director (Ay.)/ Research Officer (Ay.) as the course coordinator.

पाठ्यक्रम का स्वरुप व अवधि Design & Period of Course:

यह एक पूर्णकालिक, नियमित व गैर आवासीय पाठ्यक्रम है और कक्षाएं सभी कार्य दिवसों में 9:00 बजे पूर्वाह्न से 1:00 बजे और 1:30 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक आयोजित की जायेंगी।

This is a full time, regular & non residential course and the classes will be conducted in all working days from 9:00 AM to 1:00 PM and 1:30 PM to 4:00 PM.

पंचकर्म से संबंधित आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों में पाठ्यक्रम

Syllabus in Fundamentals of Ayurveda Related to Panchakarma:

- पंचकर्म प्रक्रियाओं के संबंध में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत|
- पूर्वकर्म (पाचन, दीपन, स्नेहन, स्वेदन, वाह्य उपचार)|
- प्रधानकर्म (वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण)|
- संसर्जन क्रम, आहार एवं औषध कल्पना|

- Basic Principles of Ayurveda in relation to Panchakarma practices
- Poorvakarma (Pachana, Deepana, Snehana, Swedana, External Treatment)
- Pradhanakarma (Vamana, Virechana, Basti, Nasya, Raktamokshana)
- Samsarjana Krama, Ahara & Aushadha Kalpana

पाठ्यक्रम के नियमित / मानद / अतिथि संकाय एवं यात्रा कार्यक्रम Regular / Honorary / Visiting Faculty of the Course and Tour Programme:

संस्थान के नियमित कर्मचारी, संस्थान के पंचकर्म, कायचिकित्सा और अन्य विषयों के चिकित्सक, अतिथि संकाय और आयुर्वेद के अन्य विद्वान पाठ्यक्रम के संकाय के रूप में सेवाएं प्रदान करेंगे । प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के आखिरी तिमाही में देश के अन्य पंचकर्म केंद्र में 15 दिन का परिदर्शन/प्रशिक्षण दिया जाएगा। यात्रा कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षुओं का यात्रा, आवास और बोर्डिंग का खर्च स्वयं उनके द्वारा वहन किया जाएगा तथा सह-अधिकारी के यात्रा व दैनिक भत्ते का वहन सम्बन्धित संस्थान द्वारा किया जायेगा।

The regular staff of the Institute, Doctors from Panchakarma, Kayachikitsa and other disciplines of the Institute, Guest Faculty and other Scholars of the Ayurveda will render the services as faculty of the course. Trainees will be given a 15 days training/exposure in other Panchakarma Center of the Country in last quarter of their training. The travelling, lodging and boarding expenses of the trainees for the tour programme will be borne by themselves and TA/DA of accompanying officer will be borne by concerned Institute.

आकलन और परीक्षा Assessment and Examination:

रोगी सुरक्षा और पंचकर्म के योग्य अभ्यास को सुनिश्चित करने के लिए, स्वतंत्र परीक्षा की व्यवस्था आवश्यक है। प्रशिक्षण के संपूर्ण कार्यक्रम के पूरे होने पर, जून के महीने में पंचकर्म में प्रशिक्षु की सैद्धांतिक और नैदानिक क्षमता का स्वतंत्र रूप से लिखित और प्रायोगिक परीक्षाओं के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा। निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार 4 लिखित प्रश्न पत्र होंगे जिसमे खंड 'अ' और खंड 'ब' होगा । प्रत्येक लिखित पत्र अलग-अलग कार्य दिवस पर आयोजित किया जाएगा। लिखित परीक्षा पूरी होने के बाद, प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी ।

दोनों लिखित और प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए एक बाहरी परीक्षक किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान / कॉलेज/ चिकित्सालय से पंचकर्म विशेषज्ञ होंगे और वह प्रत्येक उत्तर-पुस्तिकाओं के एक भाग को भी जांचेंगे। दोनों लिखित और प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए एक आंतरिक परीक्षक संबंधित संस्थान से होंगे और वह पारस्परिक सहमति से सभी उत्तर-पुस्तिकाओं के शेष भाग को जांचेगें | संस्थान के निदेशक / प्रभारी और समन्वयक परीक्षा के परीक्षकों के नामांकन, प्रश्नपत्रों के निर्माण, उत्तर-पुस्तिकाओं की जांच, प्रायोगिक परीक्षा की तैयारी और परीक्षा परिणाम तैयार करने और घोषित करने की पूरी प्रक्रिया की गोपनीयता बनाए रखेंगे।

In order to ensure patient safety and the qualified practice of Panchakarma, a system of independent examination is necessary. On completion of the full programme of the training, the trainee's theoretical and clinical competence in Panchakarma will be independently evaluated through written and practical examinations in the month of June. There will be 4 written question papers each consisting of Part A & Part B as per prescribed syllabus. Each written paper will be held on separate working day. After completion of written examination, the practical examination will be done.

One external Examiner for the both written and practical examinations will be the Panchkarma Expert from any recognized University/Institute/College/ Hospital and he will also check one part of each Answer Sheet. One Internal Examiner for the both written and practical examinations will be from the concerned Institute and he will also check remaining part of each Answer Sheet in mutual consensus for selection of either part of all answer sheets. Director/In-charge of the Institute and Coordinator will maintain secrecy of the whole examination process including nomination of examiner, setting of question paper, checking of answer sheets, conduction of practical examination and preparation and declaration of result.

परीक्षा अनुसूची Examination Schedule:

(क) लिखित परीक्षा : (चार लिखित प्रश्न पत्र)

प्रश्न पत्र 1 (खंड अ और ब): पंचकर्म प्रथाओं के संबंध में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत

प्रश्न पत्र 2 (खंड अ और ब): पूर्वकर्म (पाचन, दीपन, स्नेहन, स्वेदन, वाह्य उपचार)

प्रश्न पत्र 3 (खंड अ और ब): प्रधानकर्म (वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण)

प्रश्न पत्र 4 (खंड अ और ब): पश्चात्कर्म (संसर्जन क्रम , आहार एवं औषध कल्पना)

(ख) प्रायोगिक परीक्षा: (चार प्रायोगिक परीक्षाएं)

चार प्रायोगिक परीक्षाएं अर्थात् दो प्रमुख प्रायोगिक, एक लघु प्रायोगिक और एक आहार और औषध कल्पना प्रायोगिक।

(A) Theory Examination: (Four Theory Papers)

Paper 1 (Part A&B):	Basic Principles of Ayurveda in relation to Panchakarma practices
Paper 2 (Part A&B):	Poorvakarma (Pachana, Deepana, Snehana, Swedana, External treatment)
Paper 3 (Part A&B):	Pradhanakarma (Vamana, Virechana, Basti, Nasya, Raktamokshana)
Paper 4 (Part A&B):	Pashchatkarma (Samsarjana Krama, Ahara & Aushadha Kalpana)

(B) Practical Examination: (Four Practical Examinations)

Four practical examinations viz. Two major practicals, one minor practical and one Ahara & Aushadha Kalpana practical

उपस्थिति Attendance:

लिखित और प्रायोगिक दोनों कक्षाओं में 75% उपस्थिति परीक्षा के लिए छात्र को अनुमति देने के लिए आवश्यक है।

75% of the attendance both in theory and practical is essential to allow the student for the examination.

परिणाम Result:

प्रशिक्षु के प्रशिक्षण की सफलता की घोषणा करने के लिए लिखित एवं प्रायोगिक दोनो परीक्षाओं में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। परीक्षा का परिणाम 30 जून तक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा और संस्थान के सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा उत्तीर्ण करने में विफल रहता है तो वह रु.1000.00 के परीक्षा शुल्क के साथ नया परीक्षा फार्म जमा करके पुन: परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है जो तीन महीने के बाद सितंबर में आयोजित की जाएगी। इस दौरान, समन्वयक की अनुमति लेकर किसी भी अतिरिक्त शुल्क के भुगतान के बिना वह अपने ज्ञान की पूर्ति के लिए लिखित और प्रायोगिक कक्षाओं में भाग ले सकता है।

Minimum 50% of marks should be obtained separately in theory and practical to declare the candidate has completed his/her training successful. The Result will be uploaded on Council's website by 30th June and will also be displayed at Notice Board of the Institute.

If any candidate fails to pass the examination, he may apply for re-examination on submission of fresh examination form along with examination fee which will be conducted after three months i.e. in September. Meanwhile, he may attend theory and practical classes, with the permission of the Coordinator, to revise his knowledge without paying any extra fee.

देय प्रमाण पत्र Award of Certificate:

लिखित और प्रायोगिक परीक्षा दोनों में प्रशिक्षुओं के सफल समापन पर सीसीआरएएस द्वारा पंचकर्म सहायक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा |

On successful completion of both Theory and Practical examination, trainee will be awarded a Panchakarma Assistant Certificate by CCRAS.

प्रशिक्षण के लाभ Outcome of Training:

पाठ्यक्रम विशेष रूप से पंचकर्म उपक्रमों के क्रियान्वयन में आयुर्वेदिक चिकित्सकों की सहायता के लिए है | पंचकर्म सहायक / मैसुअर के पद के लिए पूरे भारत / विदेश में विभिन्न आयुर्वेदिक संस्थानों/अस्पतालों में नौकरी पाने के लिए यह बहुत ही मददगार है | तथापि, प्रशिक्षण पूरा होने और प्रमाण पत्र देने के बाद, सीसीआरएएस या आयुष मंत्रालय, परिषद या मंत्रालय में किसी भी तरह का सवैतनिक/अवैतनिक या मानद अथवा अंशकालिक या पूर्णकालिक रोजगार उपलब्ध कराने / सुनिश्चित कराने के लिए ज़िम्मेदार नहीं होगा ।

The course is specially aimed for the assistance to the Ayurvedic physicians in Panchakarma procedures. It is very helpful for getting the job at various Ayurvedic Institutes**/** Hospitals in all over India/abroad for the Post of Panchakarma Assistant/Masseur. However, after completion of the training and award of certificate, the CCRAS or Ministry of AYUSH shall not be responsible to provide/ensure any kind of paid or honorary, part-or-full-time employment in the Council or Ministry.

विवाद Dispute:

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से संबंधित सभी विवाद केवल संबंधित संस्थान (नई दिल्ली या चेरुथुरुथी) के न्यायिक क्षेत्र में ही होंगे।

All disputes pertaining to this training programme shall fall within the jurisdiction of concerned Institute (New Delhi or Cheruthuruthy) only.

****